

















# सुंदरनगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर वर्कर्स में टकराव, हाईकमान से हस्तक्षेप की मांग

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर



किसी उम्मीदवार का नाम लिए यह कह दिया कि एक नाम का प्रस्ताव लेकर जिला मंडी के प्रभारी मुजफर ने जिसमें पार्टी पदाधिकारियों और 500 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने मंगा उठाया कि आगर लिया, इस सभा में सैकड़ों कार्यकर्ताओं का कहना था कि कार्यकर्ताओं की पसंद बढ़ाया क्यों गया है। बाद अध्यक्ष चुना जाए, जिस पर प्रभारी कार्यकर्ताओं में आपसी टकराव की रिटायरमेंट पैदा हो गई, जिसे जिला मंडी कह दिया था कि सभी कार्यकर्ताओं के प्रभारी मुजफर ने हस्तक्षेप कर से बह फीडबैक लेकर ही वह सबको शांत करवाया, जिसके बाद प्रभारी सभी कार्यकर्ताओं से अलग अलग मिले और सैकड़ों कार्यकर्ताओं की प्रभारी को अपनी उससे अपना गुणगान करवाकर बिना अपनी पसंद बताई। कार्यकर्ताओं

का कहना है कि नेता द्वारा मंच से ब्लॉक अध्यक्ष के उम्मीदवार का नाम बताने नहीं लिया गया है, जिस पर ने एक मीटिंग बुलाइ थी, जिसमें पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया, इस सभा में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया है तो एक नाम का प्रस्ताव परित कर दिया है तो उन्हें इस सभा में बलाया क्यों गया है। उन्हें इसके बाद अध्यक्ष चुना जाए, जिस पर प्रभारी कार्यकर्ताओं में आपसी टकराव की रिटायरमेंट पैदा हो गई, जिसे जिला मंडी कह दिया था कि सभी कार्यकर्ताओं के प्रभारी मुजफर ने हस्तक्षेप कर से बह फीडबैक लेकर ही वह सबको शांत करवाया, जिसके बाद प्रभारी सभी कार्यकर्ताओं से अलग अलग मिले और सैकड़ों चर्चाओं का संबोधन करवा और कार्यकर्ताओं की प्रभारी को अपनी उससे अपना गुणगान करवाकर बिना अपनी पसंद बताई। कार्यकर्ताओं

का कहना है कि नेता द्वारा मंच से ब्लॉक अध्यक्ष के उम्मीदवार का नाम बताने नहीं लिया गया है, जिसमें कहा कि सुंदरनगर में संगठन की क्या दुश्मानी है यह किसी से छुपी नहीं है ताकि चुनाव हो या विधानसभा के पार्टी हाजारों वोटों के बड़े मार्जिन से लंबे अंतराल से हार का मुंह देख रही है और क्या इस बारे भी युप्र०प० तेजस्वी रूप से ब्लॉक अध्यक्ष के उपरान्तों से बिना किसी के नाम पर विचार-विमर्श किए, अपने किसी चोहते को इस पद पर बिठाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्हें मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के प्रभारी अलग सभा में एक बड़े भार में खाली-खाली खेतों को अपनी हाल में देखा जा सकता है और जहाँ कुछ खेतों में बुआई हुई भी है वह फसल अपील तक इसलिए भी राम भरोसे है क्योंकि उसे आपूर्त रूप से खेतों में बिला बारिया उगाने-बढ़ने की अंदरी हालत देख अन्वयाता यानी किसान मन मसोदा कर भैंसे को मजबूर हो गया है। वहीं शीतलहर के चलते आग जलाने के लिए महादेव गांव के ग्रामीणों ले सूखी लकड़ियां इकट्ठा करना सुनू कर दी हैं।



# बर्फ से सराबोर हुई कुल्लू-मनाली व लाहौल की वादियां मनाली में गिरे बर्फ के फाहे, खिले सैलानियों व कारोबारियों के चेहरे, सैलानियों के लिए अटल टनल बंद

अनंत ज्ञान ब्लूग, केलांग/कुल्लू

कुल्लू-मनाली व लाहौल-स्पीति की वादियों बर्फ से सरोबर हो गई हैं। चारों ओर बर्फ की सफेद चादर बिछने से और क्राइस्ट क्रिसमस से सैलानियों के पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिल उठे हैं। वहाँ, सर्दियों में सैलानियों की पहली पसंद रहने वाले पर्यटक स्थल सोलंगनाला में आधा फुट बर्फबारी हुई है। मंगलवार को सोलंगनाला से मनाली तक बर्फ के फाहे गिरे।

वहाँ, पर्यटन नगरी मनाली में बर्फ के फाहे गिरते देख पर्यटक खूब झूम उठे। कुल्लू के बिजली महादेव, लगधाटी, मणिकर्ण व बंजर घाटी की ओपरी धोती और आनी के जलोड़ी पास सहित लाहौल-स्पीति के ऊपरी व निचले क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई है और यह क्रम लगातार जारी है। उधर, मनाली के नेहरूकुंड से लेकर सोलंगनाला तक ट्रैकिं जाम भी लगा, लेकिन फोर वार्ना फोर वाहनों में पर्यटक आसानी से सोलंग नाला तक पहुंच गए। बर्फबारी के चलते सैलानियों के लिए अटल टनल रोहतग बंद हो गई है। बर्फबारी से घाटी में सैलानियों की संख्या बढ़ी है। मनाली पुलिस ने पर्यटकों को फोर बाई फोर वाहनों में सोलंग नाला की अनुमति दी है। लंबे अरसे से बर्फबारी का इंतजार कर रहे स्थानीय पर्यटन कारोबारियों के फाहे देख खासे उत्साहित हुए। लाहौल घांच महीने के बाद उनका भी कार्य चल पड़ा। सोलंग नाला में पर्यटन कारोबार करने वाली महिला कारोबारी तुरी रेशमा, लक्ष्मी व उर्मिला ने बताया कि लंबे अरसे बाद सोलंग नाला बर्फ के फाहों से सराबार हुआ है। पर्यटकों ने मंगलवार को बर्फ के फाहों का खूब आनंद लिया। उधर, ऊपरी कुल्लू तोरुल एस रोश ने बताया कि हिमपाता के चलते अटल टनल सैलानियों के लिए फिलहाल बंद कर दी गई है और सोलंग नाला तक सैलानियों को भेजा जा रहा है। सभी वाहनों को सारक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है, ऐसे में सैलानियों से आग्रह है कि खड़ खारब मौसम के चलते ऊंचाई वाले ईलाकों का बिलकुल भी रुख न करें।



## मनाली में क्रिसमस की मधी धूम

पर्यटन नगरी मनाली में क्रिसमस की खूब धूम मधी हुई है। होटलों में तह-तरह के आयोजन बिए जा रहे हैं। कहीं डीजे की धूम, तो कहीं कुल्लू वाली घट्टों में सैलानियों के कदम शर्करे रहे हैं। अधिकतर होटलों में पर्यटकों के लिए कई तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। क्रिसमस क्लीन का चमत्करण सहित बर्फबारी रहेगी। मनाली के सभी छोटे-बड़े होटलों में क्रिसमस की धूम शुरू हो गई है। दूसरी ओर क्रिसमस संख्या में एक पर्यटक कुल्लूवाली गांवों पर जाकर धूम रहे हैं। पर्यटन नगरी में क्रिसमस से पूर्व बर्फबारी होने पर्यटकों सहित कारोबारियों के चेहरे खिल उठे हैं।



## एसपी मयंक ने लिया स्थिति का जायजा

उधर, एसपी लाहौल-स्पीति मयंक चौधरी ने बुधवार को केलांग से लेकर एटीआर नार्थ पोर्टल और कोकसर तक का निरीश्वरण किया। इस दौरान उहाँने सक्रीय की स्थिति, पर्यटकों की संख्या, पुलिस जवानों की व्यवस्था और रेस्क्यू अभियान की स्थिति का भी जारी लिया। साथ ही बर्फबारी होने से अवरुद्ध हुए मार्गों को जल्द खोलने के लिए उहाँने बताया कि बर्फबारी के मौद्रण और अस्तर और क्रिसमस व नए साल में जिले में आवाले पर्यटकों की सुधा व यातायत प्रबंधन सहित बर्फ के दौरान रेस्क्यू सहित पर्यटकों की सुधा सुनिश्चित करने के लिए उहाँने बताया कि जारी रात्रि रेते लोगों को आपात स्थितियों से निपटने के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### 'हॉर्न' लोकनाट्य की कार्यशाला में 18 ने लिया भाग



कुल्लू रेतों डिटेक्टर एंड आर्ट वल्ब बबह कुल्लू द्वारा हिमाचल प्रदेश के मंडी व कुल्लू में प्रचलित लोकनाट्य 'हॉर्न' पर आधारित एक माह अवधि की कार्यशाला का समाप्त प्रतिनिधि बच्चों व युवाओं के साथ तैयार की गई इस लोकनाट्य की प्रस्तुति से किया गया। संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला के समाप्त के दौरान इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार घोषण की आयोजित नाट्यालय के छायाएं और संस्कृति के छायाएं ने अपनी भूमिका निभाई। इस लोकनाट्य का प्रदर्शन राजकीय उच्च विद्यालय शुरूंग के प्रांगण में किया गया। एक माह की इस अवधि में प्रतिभागियों ने उक्त लोकनाट्य के विभिन्न पक्षों के विषयों में लिए विवरण और उसका प्रशिक्षण हासिल किया। औरादार





# विश्व शतरंज की महाशक्ति के रूप में उभरा भारत

एंजेसी, बंगलुरु  
चेहरे पर जीत की चमक लिए दोनों बाजू खोलकर मुस्कुराते हुए डी गुकेश की तस्वीर एक अरब से अधिक भारतवासियों की यादों में हमेशा के लिए चम्पा हो गई।

सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन के बाद खेली गई यह तस्वीर विश्वानाथन अनंद के द्वारा के बाद विश्व शतरंज के मानचित्र में भारत के बढ़ते कद की तस्दीक करती है। वर्ष 2024 भारतीय शतरंज के उत्थान का रहा, जिसका खाका खुद अनंद ने तैयार किया।

गैरी कास्पारोव के अनुसार 'विश्वी के बच्चे' बेखोफ और मरम्मतकालीन युवा हैं, जिनके पास चेन्नई के 18 वर्ष के गुकेश के रूप में अब एक नया रोलमॉडल है। वह टूटूमेंट जीतने वाले सबसे युवा



विश्व चैंपियन बने गुकेश। इस सफर की शुरूआत अप्रैल में फिडे कैर्डिटेस्ट टूटूमेंट के जरिए हुई।